कक्षा-९

महुआ

(अनुपूरक पुस्तक)

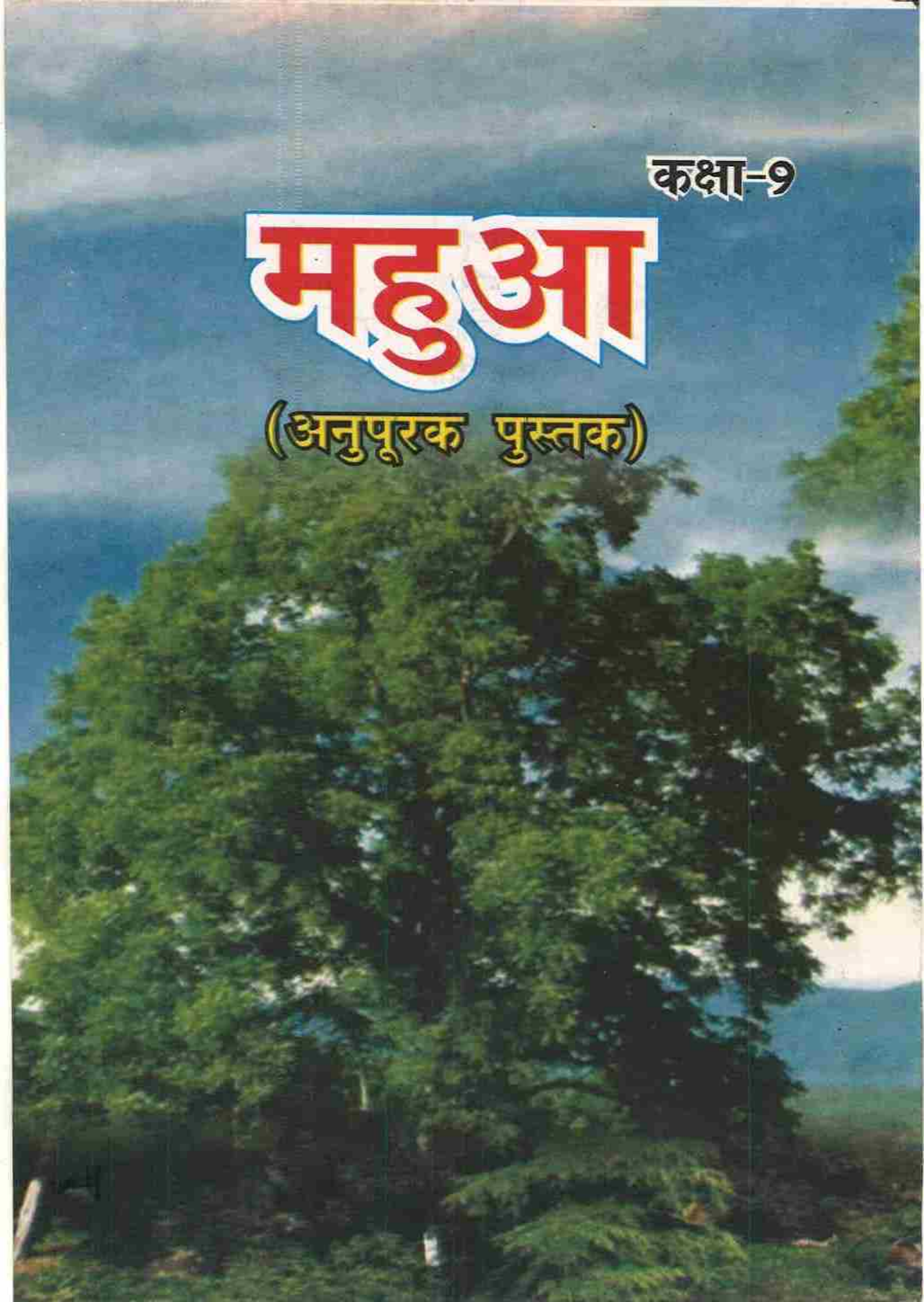

INDIAN ARMY

Arms you FOR LIFE AND CAREER AS AN OFFICER

Visit us at www.joinindianarmy.nic.in

or call us (011) 26173215, 26175473, 26172861

Ser NO	Course	Vacancies Per Course	Age	Qualification	Appln to be received by	Training Academy	Duration of Training
1.	NDA	300	16½ - 19 Yrs	10+2 for Army 10+2 (PCM) for AF, Navy	10 Nov & 10 Apr (by UPSC)	NDA Pune	3 Yrs + 1 yr at IMA
2.	10+2 (TES) Tech Entry Scheme	85	16½ - 19½ Yrs	10+2 (PCM) (aggregate 70% and above)	30 Jun & 31 Oct	IMA Dehradun	5 Yrs
3.	IMA(DE)	250	19 - 24 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	IMA Dehradun	1½ Yrs
4.	SSC (NT) (Men)	175	19 - 25 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	OTA Chennai	49 Weeks
5.	SSC (NT) (Women) (including Non- tech Specialists and JAG entry)	As notified	19 - 25 Yrs for Graduates 21-27 Yrs for Post Graduate/ Specialists/ JAG	Graduation/ Post Graduation /Degree with Diploma/ BA LLB	Feb/Mar & Jul/ Aug (by UPSC)	OTA Chennai	49 Weeks
6.	NCC (SPL) (Men)	50	19 - 25 Yrs	Graduate 50% marks & NCC 'C' Certificate (min B Grade)	Oct/ Nov & Apr/ May	OTA Chennai	49 Weeks
	NCC (SPL) (Women)	As notified					
7.	JAG (Men)	As notified	21 - 27 Yrs	Graduate with LLB/ LLM with 55% marks	Apr / May	OTA Chennai	49 Weeks
8.	UES	60	19-25 Yrs (FY)18-24 Yrs (PFY)	BE/B Tech	31 Jul	IMA Dehradun	One Year
9.	TGC (Engineers)	As notified	20-27 Yrs	BE/ B Tech	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
10.	TGC (AEC)	As notified	23-27 Yrs	MA/ M Sc. in 1st or 2nd Div	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
11.	SSC (T) (Men)	50	20-27 Yrs	Engg Degree	Apr/ May & Oct/ Nov	OTA Chennai	49 Weeks
12.	SSC (T) (Women)	As notified	20-27 Yrs	Engg Degree	Feb/ Mar & Jul/ Aug	OTA Chennai	49 Weeks

महुआ

(अनुपूरक पुस्तक)

कक्षा 9 के लिए

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

प्रथम संस्करण : 2009

मूल्य : रु0 7.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्धमार्ग, पटना – 800 001 द्वारा प्रकाशित तथा जे0 एम0 डी0 प्रेस, मुसल्लहपुर हाट, पटना - 800 006 द्वारा 5,000 प्रतियाँ मुद्रित ।

प्राक्कथन

मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रिल 2009 से राज्य के कक्षा–IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। प्रथम चरण में शैक्षिक सत्र 2009 के लिए वर्ग–IX की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकों का पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एस. सी. ई. आर. टी. बिहार, पटना द्वारा सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें (वाणिज्य एवं कला विषयक) बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार, मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री हरिनारायण सिंह तथा मानव संसाधन विकास विभाग के प्रधान सचिव, श्री अंजनी कुमार सिंह के मार्ग निर्देशन के प्रति हम हृदय के कृतज्ञ हैं।

एस. सी. ई. आर. टी., बिहार, पटना के निदेशक के हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

हसनैन आलम भा.प्र.से.
प्रबन्ध निदेशक,
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

संरक्षण :

- **श्री हसन वारिस** — निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना
- **श्री रघुवंश कुमार** — निदेशक, (शैक्षणिक) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक प्रभाग) पटना
- **डॉ० सैयद अब्दुल मोईन** — विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
- **डॉ० कासिम खुर्शीद** — विभागाध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

भोजपुरी पाठ्यपुस्तक विकास समिति

अध्यक्ष	:	**प्रो० ब्रजकिशोर**	**संपादक, भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका, पटना**
समन्वयक	:	**डॉ० सुरेन्द्र कुमार**	**व्याख्याता (बि०शि० सेवा) राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार**
सदस्य	:	श्री कृष्णानंद कृष्ण	कथाकार
		डॉ० गुरुचरण सिंह	हिन्दी विभाग, एस० पी० जैन महाविद्यालय, सासाराम
		डॉ० महामाया प्रसाद विनोद	पूर्व प्राचार्य, उच्च विद्यालय अमनौर, सारण
		डॉ० जीतेन्द्र वर्मा	सह संपादक, भोजपुरी सम्मेलन पत्रिका, पटना
		डॉ० रवीन्द्र कुमार शाहाबादी	व्याख्याता, स्नातकोत्तर भोजपुरी विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
		डॉ० सुभाष कुमार सिंह	व्याख्याता, आलमा इकबाल कॉलेज, बिहारशरीफ, नालन्दा
		श्रीमति प्रियवंदा मिश्र	लेखिका

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक) पटना द्वारा आयोजित समीक्षा संगोष्ठी के सदस्य

डॉ० गुलाबचन्द्र प्रसाद अभय	पूर्व निदेशक, भोजपुरी अकादमी, बिहार सरकार पटना
डॉ० शंकर प्रसाद	पूर्व उपाचार्य, हिन्दी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना
डॉ० गोवर्द्धन सिंह	अध्यक्ष, स्नातकोत्तर भोजपुरी विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

अकादमिक सहयोग

श्रीमती बेबी कुमारी	सहायक शिक्षिका, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग, पटना
इम्तियाज आलम	व्याख्याता, शिक्षा, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ० ज्ञान्ति कुमारी	शिक्षा संकाय, राँची विश्वविद्यालय, राँची
श्री देवेन्द्र प्रसाद	पूर्व प्रधानाध्यापक, उच्च विद्यालय परसा, सारण

आमुख

नउवा वर्ग के भोजपुरी पाठ्य-पुस्तक 'महुआ' (अनुपूरक पुस्तक), लमहर प्रक्रिया के देन हवे। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या नीति 2005 के आधार पर राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार पटना द्वारा नया पाठ्य-क्रम बनावे के काम 2006 में शुरू भइल। एकरा खातिर कई गो कार्यशाला, सेमिनार, गोष्ठी के आयोजन कइल गइल। एह में बिहार के विशेषतन के रूप से ध्यान दिहल गइल। एकर अंतिम रूप 2008 में सामने आइल। एकरे आधार पर भोजपुरी के पाठ्यक्रम बनल जे आधार पर ई किताब बनल बा।

एक किताब में नउवा के छात्रन के क्षमता के ध्यान रखल गइल बा। एकर उद्देश्य छात्रन के भाषाई अभिव्यक्ति दक्षता के बढ़ावल, मांजल आ सोचे के क्षमता के मानवीय दिशा दिहल बा ई किताब लड़िकन में भाषा के अभिव्यक्ति के मेंही क्षमता से भी परिचित करावल बा।

भोजपुरी कई करोड लोगन के मातृभाषा हवे। विश्व के सभ शिक्षाशास्त्री लोग सीखे आ अभिव्यक्ति खातिर मातृभाषा के सबसे उपयुक्त मनले बा। भोजपुरिया लोग अबले अपन एह अधिकार से वंचित रहल हवे। ई खुशी के बात बा कि अब ई कमी पूरा हो गइल। ई पहिला अवसर बा जब माध्यमिक स्तर पर भोजपुरी के पढ़ाई शुरू भइल बा।

'महुआ' (अनुपूरक पुस्तक), में ई कोशिश कइल गइल बा जन-जीवन से जुड़ल बातन के रोचक ढंग से साहित्य के विभिन्न विधा के माध्यम से परोसल जाव। एह किताब से लड़िकन में अभिव्यक्ति क्षमता के विकास होई।

पाठ्य-पुस्तक निर्माण समिति बड़ी मेहनत आ लगन से कई गो औपचारिक आ अनौपचारिक बैठक में एकरा तैयार कइलस। हम एह समिति के प्रति आभारी बानी। प्रो० व्रजकिशोर, डा० जीतेन्द्र वर्मा, कृष्णानंद कृष्ण, डा० महामाया प्रसाद विनोद, डा० गुरुचरण सिंह, प्रियवंदा मिश्र, डा० रवीन्द्र शाहाबादी, सुभाष कुमार सिंह, रात-दिन एक कके एकरा के पूरा कइल। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना के पदाधिकारी सभे एह किताब खातिर जीवे-जांगर लागल रहे। एह सभ के प्रयासे

से ई किताब अइसन रूप लिहलस। डा० सैयद अब्दुल मोइन (विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग), आ डा० कासिम खुर्शीद (विभागाध्यक्ष, भाषा विभाग), के विशेष योगदान रहल। अन्त में **डॉ० सुरेन्द्र कुमार**, व्याख्याता-सह-समन्वयक, भोजपुरी पाठ्य-पुस्तक विकास समिति के विशेष आभारी बानी जिनका दिन-रात के मेहतन से इ पुस्तक तैयार हो पावल।

हसन वारिस

निदेशक (प्रभारी)

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

बात 'महुआ' के

आज सऊँसे दुनिया के एगो गाँव के रूप में दी के वकालत कइल जा रहल बा आ विज्ञान के तरक्की से सँऊसे दुनिया मुट्ठी में सिमट आइल बा। एह सिमटाव के चलते आदमी के जिनगी के बहुत पक्षन के अनदेी हो रहल बा आ सांस्कृतिक स्तरो पर बड़ घालमेल हो रहल बा। जवना के चलते भोजपुरिया संस्कृति में बदलाव हो रहल बा।

ई किताब लड़िकन के अपना माटी से जोड़ी। एह में भोजपुरी संस्कृति से संबंधित गीत आ लोकगीतन के संकलन कइल गइल बा। घर-परिवार, रीति-रेवाज आ माटी में सउनाइल जीवन के कइगो गंध एह किताब में पाके लइकन के मन-प्रान जुड़ा जाई।

भोजपुरी लोकगीतन के एगो समृद्ध परंपरा रहल बा, जवना में भारतीय संस्कृति के विविध रूपन के अकूत भंडार भरल बा। ओकरा में से कुछ गीत चुने में बड़ी दोहमच भइल। पाठ्यक्रम विकास समिति द्वारा विचार-विमर्श क के जीवन के हर पक्ष आ संस्कृति से जुड़ल गीतन के रो के प्रयास कइल गइल। ई सब गीत समुन्दर में से उठावल एक चिरूआ पानी लो बा। छोटी-चुकी एह किताब में गीतन में भोजपुरी संस्कृति सदेह मूर्तिमान भइल बा। एह में छठियार, बियाह, परब-त्यौहार आदि से जुड़ल सोहर, झूमर, कजरी आदि गीतन के संकलित कइल गइल बा। एह गीतन से भोजपुरिया संस्कृति के समृद्धियो के पता चली।

किताब के नाँव 'महुआ' प्रतीकात्मक बा। महुआ भोजपुरी क्षेत्र के गाछ ह। जवना घड़ी महुआ फूलाला, ओह घड़ी सऊँसे बगइचा में एगो मधुर-मधुर मादक गंध आदमी के मस्त क देला।

अध्यक्ष
प्रो० ब्रजकिशोर
भोजपुरी पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

समन्वयक
डॉ० सुरेन्द्र कुमार
भोजपुरी पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

विषय सूची

क्रम	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	मइया गीत	1
2.	छठि माई के गीत	3
3.	होरी गीत	6
4.	मटकोरा के गीत	8
5.	दुआरपूजा के गीत	10
6.	गुरहथी के गीत	11
7.	कनेयादान के गीत	14
8.	पतोह परीछावन के गीत	16
9.	झूमर	18
10.	पूरबी	21
11.	सोहर	24
12.	सोहर	26
13.	सोहर	29
14.	सोहर	31
15.	राष्ट्रीय गीत	34